



Naman

नमन

Delhi

16 Years 9 Months

Deed: During the summer holidays, Naman had gone to his uncle's house at Sonapat. On 2 July 2015, he alongwith four other children went to the Yamuna Canal to bathe. After swimming for an hour, they were going back to change their clothes when they heard a child shouting for help. Noticing the child floating in the water, Naman immediately jumped into the 12 feet deep canal. He swam towards the child and caught hold of him. Naman was feeling exhausted and breathless. Still he held the child's waist tightly & started carrying him towards the bank. Suddenly Naman remembered that a broken part of the bridge with iron rod protruding out of it was there under the bridge. Despite many difficulties, Naman didn't give up and succeeded in his efforts.

Naman's indomitable courage saved a child's life.

कार्य: गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, नमन, सोनीपत अपने अंकल के घर गया हुआ था। 2 जुलाई 2015 को वह चार अन्य बच्चों के साथ यमुना नहर पर स्नान के लिए गया। एक घंटे तैराकी के पश्चात, वे कपड़े बदलने वापिस जा रहे थे जब उन्होंने एक बच्चे को मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना। बच्चे को पानी में डूबता देख, नमन ने तुरन्त 12 फुट गहरी नहर में छलॉग लगा दी। वह तैरकर बच्चे के पास पहुँचा और उसे पकड़ लिया। नमन की साँस उखड़ रही थी और वह थकान महसूस कर रहा था। फिर भी उसने बच्चे को कमर से कस कर पकड़ा और उसे किनारे की ओर ले जाने लगा। अचानक नमन को याद आया कि पुल का नीचे का कुछ हिस्सा टूटकर पानी में गिरा हुआ था जिसमें से नुकीले सरिए भी बाहर निकले हुए थे। अत्याधिक परेशानियों के बावजूद, नमन ने हिम्मत नहीं हारी और अन्ततः अपने प्रयास में सफल रहा।

नमन के अतुलनीय साहस से एक बच्चे का जीवन बच गया।